खबरों में रहे स्टॉक

एस्कॉर्ट्स कुबोटा

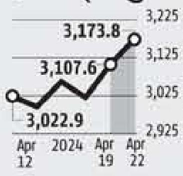

ट्रैक्टरों की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया, जो 1 मई से प्रभावी होगी

₹ 3,107.6 पिछला बंद भाव
₹ 3,173.8 आज का बंद भाव
2.1 % ▲

वेलस्पन कॉर्पोरेशन

मार्च 2024 से 872 करोड़ रुपये के मल्टीपल लाइन पाइप ऑर्डर मिले

₹ 528.7 पिछला बंद भाव
₹ 550.4 आज का बंद भाव
4.1 % ▲

एपिग्रल

निदेशक मंडल ने प्रति इक्विटी शेयर 5 रुपये के अंतिम लाभांश को मंजूरी दी

₹ 1,319.1 पिछला बंद भाव
₹ 1,403.4 आज का बंद भाव
6.4 % ▲

ल्यूपिन

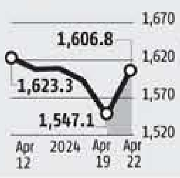

अमेरिका में मिराबेग्रोन एक्सटेंडेड-रिलीज टैबलेट की शुरुआत की

₹ 1,547.1 पिछला बंद भाव
₹ 1,606.8 आज का बंद भाव
3.9 % ▲

सांघी इंडस्ट्रीज

एनसीसीआरपीएस के जरिये 2,200 करोड़ जुटाने को मिली निदेशक मंडल की मंजूरी

₹ 94.1 पिछला बंद भाव
₹ 94.6 आज का बंद भाव
0.5 % ▲

संक्षेप में

एक्सपीरियन डेवलपर्स लगाएगी 1,500 करोड़ रु

आवासीय संपत्तियों की मांग में तेज वृद्धि के बीच रियल एस्टेट कंपनी एक्सपीरियन डेवलपर्स अपनी विस्तार योजनाओं के तहत नोएडा में एक लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए करीब 1,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। गुरुग्राम स्थित एक्सपीरियन डेवलपर्स ने अपनी नई परियोजना 'एक्सपीरियन एलिमेंट्स' को रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण रेरा के साथ पंजीकृत किया है। यह एक्सपीरियन होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। एक्सपीरियन डेवलपर्स के मुख्य कार्य अधिकारी नागराजू राउथू ने कहा कि कंपनी नोएडा में प्रवेश कर रही है, जो एनसीआर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण रियल एस्टेट बाजार है। *भाष*

'द डर्मा को' की 500 करोड़ रु की राजस्व दर

डी2सी ब्रांड ममाअर्थ की मूल कंपनी होनासा कंज्यूमर ने सोमवार को ऐलान किया कि उसके सक्रिय घटक वाले स्किनकेयर ब्रांड 'द डर्मा को' ने 500 करोड़ रुपये की वार्षिक राजस्व दर (एआरआर) हासिल कर ली है। कंपनी की इस सूचना के बाद उसका शेयर 4.8 प्रतिशत बढ़कर बंद हुआ। कंपनी ने इस उपलब्धि का श्रेय फेस सीरम, हाइड्रेटिंग सनस्क्रीन, सनस्क्रीन स्टिक, एक्ने पैच जैसी श्रेणियों में अलग-अलग उत्पाद बनाने और उन्हें भारतीय त्वचा और मौसम के अनुरूप करने को दिया। होनासा ने एक बयान में कहा कि उत्पाद नवाचार के लिए डेटा का लाभ उठाने पर ध्यान देना और उभरते रुझानों पर तेजी से प्रतिक्रिया करना रणनीति का प्रमुख आधार है। डर्मा को का दावा है कि उसने पिछले वित्त वर्ष में एक करोड़ से ज्यादा इकाइयां बेची हैं। *बीएस*

जियो का मुनाफा 12% बढ़ा

चौथी तिमाही में परिचालन से राजस्व एक साल पहले के मुकाबले 13.37 प्रतिशत बढ़ा

शुभायन चक्रवर्ती
नई दिल्ली, 22 अप्रैल

भारत की सबसे बड़ी मोबाइल नेटवर्क ऑपरेटर रिलायंस जियो का संचालन करने वाली जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) का मुनाफा मार्च तिमाही में एक साल पहले के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़कर 5,583 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी का शुद्ध लाभ पिछली तीन तिमाहियों में 11.6 प्रतिशत, 12 प्रतिशत और 12.53 प्रतिशत बढ़ा था।

तिमाही आधार पर जियो प्लेटफॉर्म्स का शुद्ध लाभ 2.53 प्रतिशत तक बढ़ा। पूरे वित्त वर्ष 2024 में दूरसंचार कंपनी का सालाना शुद्ध लाभ 12 प्रतिशत तक बढ़कर 21,423 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023 के 19,124 करोड़ रुपये था।

हालांकि चौथी तिमाही में दूरसंचार कंपनी का प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) लगातार तीसरे महीने 181.4 रुपये पर अपरिवर्तित बना रहा। सालाना आधार पर चौथी तिमाही में एआरपीयू 2 प्रतिशत तक बढ़ा।

कंपनी ने कहा है कि उसने बेहतर ग्राहक समावेश दर्ज किया जिसमें प्रमोशनल 5जी ट्रैफिक शामिल है जिसे ग्राहकों को अनलिमिटेड आधार पर पेश किया गया है और इसका अलग से शुल्क नहीं वसूला जा रहा है। चौथी तिमाही में परिचालन से राजस्व एक साल पहले के मुकाबले 13.37 प्रतिशत बढ़कर 28,871 करोड़ रुपये रहा। वहीं पिछली तीन तिमाहियों में यह वृद्धि 11.3 प्रतिशत, 10.7 प्रतिशत और 11.2 प्रतिशत रही।

जियो प्लेटफॉर्म्स ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन राजस्व वृद्धि को मोबिलिटी और होम्स समेत सभी सेगमेंट में दमदार ग्राहक वृद्धि, एआरपीयू में मिश्रित सुधार से मदद मिली।

मार्च तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म्स का एबिटा 14,360 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले के मुकाबले 12.5 प्रतिशत अधिक है।

मजबूत ग्राहक वृद्धि

मार्च तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म्स ने 1.09 करोड़ नए ग्राहक जोड़े, जो इससे पिछली दो तिमाहियों में शामिल हुए 1.1 करोड़ नए ग्राहकों के मुकाबले थोड़ा कम है। कंपनी ने पहली तिमाही में 92 लाख नए ग्राहक जोड़े थे। मार्च की तिमाही लगातार तीन तिमाहियों तक ग्राहकों की संख्या में कमजोरी दर्ज किए जाने के बाद कंपनी के लिए मजबूत वृद्धि वाली लगातार छठी तिमाही थी। जियो ने कहा है कि 10.8 करोड़ ग्राहक उसके 5जी नेटवर्क से जुड़ गए। मार्च के अंत में, जियो प्लेटफॉर्म्स के कुल ग्राहकों की संख्या 48.18 करोड़ थी, जो सालाना आधार पर 9.7 प्रतिशत या 4.24 करोड़ नए ग्राहकों तक की वृद्धि है।

रिलायंस रिटेल : लाभ में 12 % का इजाफा

शार्लीन डिसूजा
मुंबई, 22 अप्रैल

मार्च तिमाही में रिलायंस रिटेल का शुद्ध लाभ एक साल पहले के मुकाबले 11.7 प्रतिशत बढ़कर 2,698 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का परिचालन से पीबीआईडीटी (ब्याज, मूल्यह्रास एवं कर पूर्व लाभ) सालाना आधार पर 18.1 प्रतिशत बढ़कर 5,632 करोड़ रुपये रहा। परिचालन से कंपनी का राजस्व चौथी तिमाही में एक साल पहले की तुलना में 9.8 प्रतिशत बढ़कर 67,610 करोड़ रुपये रहा।

नए स्टोर खुलने और आपूर्ति श्रृंखला ढांचे की वजह से ऊंचे आधार से मूल्यह्रास में इजाफा हुआ। कंपनी का सकल राजस्व 10.6 प्रतिशत तक बढ़कर 76,627 करोड़ रुपये रहा और कंपनी ने इसके लिए कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक और फैशन ऐंड लाइफस्टाइल व्यवसायों में वृद्धि को जिम्मेदार माना है।

वित्त वर्ष 2024 में, रिलायंस रिटेल का सकल राजस्व 3,06,786 करोड़ रुपये रहा, पिछले साल के मुकाबले 17.8 प्रतिशत की वृद्धि है।

रिलायंस रिटेल ने मार्च तिमाही में 562 नए स्टोर खोले और सभी फॉर्मेट में उसने 27.2 करोड़ ग्राहकों की आवाजाही दर्ज की।

वेतन देने के लिए बैजू रवींद्रन ने कर्ज लिया

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 22 अप्रैल

नकदी संकट का सामना कर रही शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बैजूस के संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी बैजू रवींद्रन ने कर्मचारियों को वेतन का भुगतान करने के लिए व्यक्तिगत ऋण लिया है। सूत्रों ने बताया कि बैजू ने 30 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है ताकि कंपनी के कर्मचारियों को मार्च महीने का वेतन दिया जा सके। मगर नकदी किल्लत से जूझ रही इस प्रमुख कंपनी ने अपने वरिष्ठ कर्मचारियों आंशिक वेतन का भुगतान किया है और शिक्षकों एवं छोटे स्तर के कर्मचारियों को पूरे महीने का वेतन दिया है।

बैजू के इस कदम से कर्मचारियों को मिल सकेगा आंशिक वेतन

इससे पहले कंपनी ने फरवरी के लिए भी आंशिक वेतन का भुगतान किया था और मार्च के वेतन भुगतान में देरी कर रही है। अब कर्मचारियों को फरवरी एवं मार्च महीने के आंशिक वेतन का भुगतान कर दिया गया है।देरी राइट्स निर्गम के जरिये जुटाई गई धनराशि के कारण हुई है, जिसे निवेशकों के साथ जारी विवाद के कारण एक अलग खाते में रखा गया है और उसके उपयोग की मनाही है। सूत्रों के मुताबिक, बैजूस में करीब 15 हजार कर्मचारी और कंपनी को हर महीने करीब 40 से 50 करोड़ रुपये उनके वेतन मद में खर्च करना पड़ता है।

मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि शनिवार को कर्मचारियों के खाते में वेतन भेज दी गई है। बैजू रवींद्र ने इस महीने का वेतन देने के लिए व्यक्तिगत ऋण लिया है। उन्होंने कहा, राइट निर्गम की रकम पैसा अभी भी विदेशी निवेशकों ने रोक रखी है। कल राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) में सुनवाई होनी है और कंपनी अधिकरण से रकम जारी करने का अनुरोध कर सकती है। बैजू रवींद्रन सहित कंपनी प्रबंधन ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया था कि अदालत का चाहे जो भी फैसला रहे कर्मचारियों को मार्च महीने का वेतन देने के लिए वे वैकल्पिक रास्ता तलाश रहे हैं।

बैजूस और निवेशक राइट्स निर्गम से जुटाए 20 करोड़ डॉलर पर कुप्रबंधन के आरोप पर एनसीएलटी में एक याचिका दाखिल की है। कंपनी के चार निवेशकों ने बैजूस के 22 अरब डॉलर के मूल्यांकन की तुलना में 99 फीसदी से कम उद्यम मूल्यांकन पर राइट्स निर्गम पर रोक लगाने की मांग की थी।

कारोबारों पर हुए 2,35,472 रैंसमवेयर हमले

साल 2023 के दौरान भारत में कारोबारों पर कुल 2,35,472 रैंसमवेयर के हमलों की घटनाएं सामने आई। कैस्परस्की साइबर सिक्योरिटी सॉल्यूशंस की एक नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। जनवरी से दिसंबर 2023 की अवधि के दौरान रैंसमवेयर हमलों के निशाने पर एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थान, सरकारी विभाग, एक भारतीय दूरसंचार कंपनी के साथ-साथ एक बिजली उत्पादक कंपनी थी। ज्यादातर मामलों में इन मैलिसियस सॉफ्टवेयर ने सर्वरों को बंद कर दिया। कैस्परस्की के प्रमुख मैलवेयर विश्लेषक फेडर सिनित्सिन का कहना है कि व्यक्तियों और कारोबारों दोनों पर ही एन्क्रिप्टर द्वारा व्यापक सामूहिक हमलों का युग धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। *बीएस*

केसोराम का शुद्ध घाटा बढ़ा

केसोराम इंडस्ट्रीज को मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में 244.42 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ। बिक्री बढ़ने के बावजूद कंपनी को घाटा हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में इस सीमेंट विनिर्माता कंपनी का शुद्ध घाटा पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 48.86 करोड़ रुपये से बढ़ गया है। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में एकीकृत बिक्री 1,073 करोड़ रुपये रही जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में यह 960 करोड़ रुपये रही थी। 2023-24 में शुद्ध घाटा पिछले वर्ष के 194 करोड़ रुपये के नुकसान की तुलना में लगभग दोगुना होकर 384 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के अधिकारियों ने जनवरी-मार्च तिमाही में घाटे के लिए ऊंची लागत और अपने कर्ज की अदला-बदली के तहत 1,683 करोड़ रुपये की उच्च लागत वाली एनसीडी की अदायगी को जिम्मेदार ठहराया। *भाषा*

मार्च तिमाही में परसिस्टेंट सिस्टम्स का शुद्ध लाभ 25 फीसदी बढ़ा

शिवानी शिंदे
मुंबई, 22 अप्रैल

पुणे की परसिस्टेंट सिस्टम्स का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 24 की मार्च तिमाही में 315.3 करोड़ रुपये रहा और सालाना आधार पर इसमें 25.4 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई।

तिमाही में कंपनी का राजस्व 14.9 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2,590.5 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। राजस्व वृद्धि को विभिन्न क्षेत्रों मसलन लाइफ साइंस व हेल्थकेयर, बीएफएसआई और सॉफ्टवेयर, हाईटेक व इमर्जिंग इंडस्ट्रीज में वृद्धि से सहारा मिला।

पूरे साल के लिए कंपनी का राजस्व 17.6 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 8,350.5 करोड़ रुपये रहा जबकि मुनाफा 18.7 फीसदी के इजाफे के साथ 921 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कंपनी का राजस्व 17.6 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 8,350.5 करोड़ रुपये रहा

परसिस्टेंट की चौथी तिमाही के नतीजे ने ब्लूमबर्ग के अनुमान को पीछे छोड़ दिया। ब्लूमबर्ग ने 2,562.9 करोड़ रुपये का राजस्व और 303 करोड़ रुपये के मुनाफे का अनुमान जताया था।

चौथी तिमाही में कुल कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू 44.77 करोड़ रुपये रही, जो पिछली तिमाही के 47.5 करोड़ डॉलर से थोड़ा कम है।

परसिस्टेंट ने उत्तर अमेरिका व बीएफएसआई क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की। उत्तर अमेरिका में सालाना आधार पर 16.8 फीसदी का इजाफा हुआ जबकि यूरोप में 13.4 फीसदी और भारत में 0.6 फीसदी। इसी तरह क्रमिक आधार पर बीएफएसआई में 2 फीसदी की वृद्धि हुई जबकि लाइफ साइंसेज व हेल्थकेयर में तिमाही आधार पर 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। सॉफ्टवेयर, हाइटेक और इमर्जिंग बिजनेस 0.9 फीसदी कमजोर रहा।

परसिस्टेंट सिस्टम्स के सीईओ व कार्यकारी निदेशक संदीप कालरा ने कहा, हमने पूरे साल में डॉलर के लिहाज से राजस्व में 14.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जबकि उद्योग का औसत करीब 3-4 फीसदी है। वित्त वर्ष 24 कंपनी के लिए पूरी तरह से खुद के दम पर वृद्धि दर्ज करने की गाथा है। कालरा ने विश्लेषकों से बातचीत के दौरान ये बातें कही।

अनुमान से बेहतर नतीजे के बाद भी वह बाजार को खुश नहीं कर पाई क्योंकि कंपनी के मार्जिन में सुस्त वृद्धि हुई। कंपनी का शेयर 9.7 फीसदी टूटकर 3,510.6 रुपये पर बंद हुआ। तिमाही में मार्जिन 14.5 फीसदी रहा, जो वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही में 15.4 फीसदी रहा था।

वी के एफपीओ को 6.4 गुना अभिदान

पृष्ठ 1 का शेष

इस निर्गम के बैंकर ऐक्सिस कैपिटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी अतुल मेहरा ने कहा, 'भारत के सबसे बड़े एफपीओ को सफलता से पूरा होते देख हमें बहुत खुशी है। इसके जरिये वोडाफोन आइडिया ने 18,000 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी जुटाई है। अच्छी बात यह है कि क्यूआईबी श्रेणी में करीब 19 गुना अभिदान मिला और इसमें जाने-माने देसी एवं विदेशी निवेशकों ने भाग लिया।'

शेयर बाजार में आज वोडाफोन आइडिया के शेयर में उतार-चढ़ाव बना रहा। कारोबार के दौरान यह शेयर 13.03 रुपये की ऊंचाई तक गया और 12.13 रुपये तक गिरा। आखिर में यह 0.23 फीसदी गिरावट के साथ 12.9 रुपये पर बंद हुआ। इस एफपीओ के लिए शेयर की कीमत का दायरा 10 से 11 रुपये था। निवेशकों की ओर से जबरदस्त मांग को देखते हुए नए शेयर का भाव 11 रुपये रखा जा सकता है, जो पिछले बंद भाव से 15 फीसदी कम होगा। मगर बाजार प्रतिभागियों ने कहा कि एफपीओ के तहत 18,000 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी होने से गिरावट आएगी। मगर कंपनी के एफपीओ में विदेशी निवेशकों की जबरदस्त दिलचस्पी हौसला बढ़ाएगी। विश्लेषकों ने कहा कि बड़े निवेशक कंपनी में दांव का जोखिम उठाने को तैयार हैं। ऐम्बिट के एक नोट में कहा गया है, 'क्यूआईबी के जबरदस्त समर्थन से वोडा-आइडिया का एफपीओ काफी सफल दिख रहा है। हालांकि जुटाई गई रकम और शुल्क दरें सितंबर 2025 तक स्पेक्ट्रम/एजीआर बकाया चुकाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं लेकिन क्यूआईबी को लग रहा है कि उनके पास खोने को ज्यादा कुछ नहीं है किंतु कंपनी सफल हो गई तो वे बहुत कमाई कर लेंगे।'

फरवरी में कंपनी के बोर्ड ने इक्विटी के जरिये 20,000 करोड़ रुपये और इक्विटी तथा डेट के जरिये कुल 45,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी थी। इससे कंपनी को वित्तीय राहत मिलेगी और वह अपने नेटवर्क में अतिरिक्त निवेश कर पाएगी। फिलहाल वोडा-आइडिया पर कुल 2.38 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है और मार्च 2023 के अंत में उसकी शुद्ध हैसियत ऋणात्मक 74,359 करोड़ रुपये थी।

एमडीएच और एवरेस्ट के उत्पादों की गुणवत्ता जांच शुरू

संजीव मुखर्जी और शार्लीन डिसूजा
नई दिल्ली/मुंबई, 22 अप्रैल

भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एमडीएच और एवरेस्ट के उत्पादों की देश भर में गुणवत्ता जांच शुरू की है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि इन दो प्रमुख ब्रांडों के कई लोकप्रिय मसाला मिश्रणों में एथिलीन ऑक्साइड के अंश स्वीकार्य स्तर से अधिक होने की शिकायतों के बाद यह जांच की जा रही है।

हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर ने अपने-अपने देशों में मसाला क्षेत्र की इन दो दिग्गजों के कुछ उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इसके बाद एफएसएसएआई ने यह कदम उठाया है। सूत्रों ने कहा कि एफएसएसएआई इस गुणवत्ता जांच में यह भी आकलन करेगा कि एमडीएच और एवरेस्ट ब्रांडों के तहत बेचे जाने वाले उत्पाद कानून द्वारा निर्धारित रासायनिक अवशेषों के भारतीय मानकों से मेल खाते हैं या नहीं।

सूत्रों ने कहा कि हालांकि निर्यात के संबंध में शायद नियामक की बहुत ज्यादा भूमिका न हो क्योंकि उत्पादों का परीक्षण करना और उनकी इजाजत देना आयातक देश की जिम्मेदारी होती है। एथिलीन ऑक्साइड और एथिलीन ग्लाइकॉल ऐसे रसायन हैं जिनका उपयोग मसालों में किया जाता है और इन्हें लंबे समय तक संरक्षित करने के लिए मोटे अनाज का फ्यूमिगेंट के रूप में उपयोग किया जाता है। इसका उपयोग कीटनाशकों में स्थिरकारी एजेंटों के रूप में भी किया जाता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि स्वीकार्य स्तर से अधिक इन रसायनों का सेवन मानव स्वास्थ्य के लिए कैंसरकारी हो सकता है।

इस बीच सूत्रों ने कहा कि खाद्य नियामक ने मसालों में स्वीकार्य स्तर से अधिक एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी की जांच करने के लिए पहले ही नमूना संग्रह की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

हॉन्ग-कॉन्ग के खाद्य और पर्यावरण स्वच्छता विभाग के खाद्य सुरक्षा केंद्र (सीएफएस) ने 5 अप्रैल को एमडीएच और एवरेस्ट के मसाला मिश्रणों को बाजार से वापस ले लिया था। इसके बाद सिंगापुर खाद्य एजेंसी (एसएफए) ने भी एवरेस्ट मसाला वापस ले लिया क्योंकि इन दोनों एजेंसियों ने पाया था कि इनमें कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड है।

सीएफएस हॉन्ग कॉन्ग ने अपनी विज्ञप्ति में कहा कि उसने एमडीएच मद्रास करी पाउडर, करी पाउडर मिश्रित मसाला पाउडर, सांभर मसाला मिश्रित मसाला पाउडर और एवरेस्ट फिश करी मसाला वापस ले लिया है।

SBI

डाटा सेंटर और क्लाउड विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, ग्लोबल आईटी सेन्टर, सेक्टर 11, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई - 400614

शुद्धिपत्र सूचना

आरएफपी नं.: SBI/GITC/Data Centres & Cloud/2023-24/1116

दिनांकित: 22.04.2023

आरएफपी संख्याः SBI/GITC/Data Centres & Cloud/2023-24/1116 दिनांक 22.03.2024 के संदर्भ में शुद्धिपत्र संख्या 1 बैंक की वेबसाइट और ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्रकाशित किए गए हैं. विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया **https://www.sbi.co.in** या **https://bank.sbi** पर 'प्रोक्योरमेंट न्यूज' पर एवं ई-प्रोक्योरमेंट एजेन्सी पोर्टल **https://etender.sbi/SBI/** पर विज़िट करें.

उप महाप्रबंधक (डाटा सेंटर और क्लाउड)

SBI

सूचना सुरक्षा विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, ग्लोबल आईटी-सेन्टर, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई - 400614

प्रस्ताव हेतु अनुरोध

आरएफपी न. SBI/GITC/ISD/2023-24/ISO/43 दिनांक: 31.03.2024

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के लिए तीन साल की अवधि के लिए सूचना सुरक्षा सेवा प्रदाताओं (आईएसएसपी) के पैनल में शामिल होने के लिए पात्र बोलीदाताओं से भारतीय स्टेट बैंक द्वारा बोलियां आमंत्रित की जाती हैं. विवरण के लिए, कृपया **https://bank.sbi** और **https://etender.sbi/SBI/** पर प्रोक्योरमेंट न्यूज देखें.

बोलियां दस्तावेज डाउनलोड करने की प्रारंभिक तिथि और समय: 22.04.2024 को 18:00 बजे से

बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि और समय: 13.05.2024 को 16:00 बजे तक

स्थान: नवी मुंबई — उप महाप्रबंधक (साइबर सुरक्षा)
दिनांक: 23.04.2024 — सूचना सुरक्षा विभाग,

TATA POWER-DDL
टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड
टाटा पावर एवं दिल्ली सरकार का संयुक्त उपक्रम
रजि. आफिस : एनडीपीएल हाउस, हडसन लाइन, किंग्सवे कैम्प, दिल्ली-110009
फोन : 66112222, फैक्स : 27468042, ईमेल : TPDDL@tatapower-ddl.com
CIN No. : U40109DL2001PLC111526, वेबसाइट : www.tatapower-ddl.com

निविदा सूचना आमंत्रित April 23, 2024

टाटा पावर-डीडीएल निम्न मदों के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है:

निविदा पूछताछ सं. कार्य का विवरण	अनुमानित लागत/धरोहर जमा राशि (रु)	बोली दस्तावेज की बिक्री	बोली जमा कराने की अंतिम तारीख और समय/ निविदा खोलने की तारीख और समय
TPDDL/ENGG/ENQ/200001665/24-25 Procurement of Power Transformer 66/33 kV, 40/50 MVA along with NIFPS	4.96 Crs/ 9,44,000	24.04.2024	15.05.2024;1700 Hrs/ 15.05.2024;1730 Hrs
TPDDL/ENGG/ENQ/200001666/24-25 Annual Rate Contract for Supply of Overhead line items	1.51 Crs/ 3,78,000	24.04.2024	15.05.2024;1500 Hrs/ 15.05.2024;1530 Hrs

शुद्धिपत्र / निविदा तिथि विस्तार

निविदा पूछताछ सं. कार्य का विवरण	पूर्व प्रकाशित दिनांक	संशोधित निविदा तिथि / बोली जमा कराने की तिथि / बोली खोलने की तिथि
TPDDL/ENGG/ENQ/200001652/23-24 RC for Professional Services towards Intelligence / Enforcement Assignment for a period of 2 Year.	29.03.2024	26.04.2024 at 1500 Hrs/ 26.04.2024 at 1530 Hrs
TPDDL/ENGG/ENQ/200001645/23-24 RC for Supply of Relay with Power Pack and Modem	11.03.2024	25.04.2024 at 1500 Hrs/ 25.04.2024 at 1530 Hrs
TPDDL/ENGG/ENQ/200001651/23-24 Supply of Insulated Aerial Work Platform and Associated Tools	18.03.2024	03.05.2024 at 1600 Hrs/ 03.05.2024 at 1630 Hrs
TPDDL/ENGG/ENQ/200001638/23-24 RC for supply of 9 kV 10 kA Distribution Class Lightening Arrestors	17.02.2024	08.05.2024 at 1600 Hrs/ 08.05.2024 at 1630 Hrs

सम्पूर्ण निविदा एवं शुद्धिपत्र दस्तावेज हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध
website **www.tatapower-ddl.com**→Vendor Zone →Tender / Corrigendum Documents
Contracts - 011-66112222

OMKARA ASSETS RECONSTRUCTION Pvt. Ltd.
ओमकारा एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
सीआईन : U67100TZ2014PTC020363
निगमित कार्यालय : कोहिनूर स्क्वॉयर, 47वां तल, एन.सी. केलकर मार्ग, आर.जी. गडकरी चौक, दादर (पश्चिम), मुंबई - 400028, **ईमेल : kalpesh.ojha@omkaraarc.com, मोबाइल :** +91 9769825323

[परिशिष्ट - IV-ए] [नियम 8(1), 8(6) का प्रावधान देखें]
अचल संपत्ति के विक्रयार्थ ई-नीलामी की सार्वजनिक सूचना

ई-नीलामी की तिथि : 10 मई 2024

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 (1), नियम 8 (6) के प्रावधान के साथ पठित वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत अचल परिसंपत्तियों के विक्रयार्थ ई-नीलामी विक्रय सूचना।

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को तथा विशेष रूप में उधारकर्ता(ओं)/गारंटर(रों)/बंधककर्ता(ओं) को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत ऋणदाता अर्थात् **ओमकारा एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (ओएआरपीएल)**, जो कि कंपनी अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत एक निगमीकृत कंपनी है तथा जो वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का 54) ("सरफॉएसि अधिनियम 2002") की धारा 3 के अंतर्गत एक एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ विधिवत पंजीकृत है और जिसका **सीआईएन नं: U67100TZ2014PTC020363** है और जिसका पंजीकृत कार्यालय 9, एम.पी. नगर, प्रथम स्ट्रीट, कोंगू नगर एक्स., तिरुपुर 641607 में एवं निगमित कार्यालय कोहिनूर स्क्वॉयर, 47वां तल, एन.सी. केलकर मार्ग, आर.जी. गडकरी चौक, दादर (पश्चिम), मुंबई-400028 में है, जो **ओमकारा पीएस-26/2021-22** ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता के अंतर्गत कार्यरत है, के पास बंधककृत/प्रभारित निम्न वर्णित अचल संपत्ति (प्रतिभूत परिसंपत्ति(यों) का अधिग्रहण कर लिया है। इसने पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीएचएफएल) (पूर्व में मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के रूप में विदित) की ओर से रेखांकितकारी प्रतिभूतियों के साथ उधारकर्ता(ओं) / सह-उधारकर्ता(ओं) / बंधककर्ता(ओं) की संपूर्ण बकाया राशियों के ब्याज एवं समस्त अधिकारों, स्वामित्वों का, एसाइमेंट अनुबंध दिनांकित 30-09-2021 के द्वारा, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 5 के अंतर्गत अधिग्रहण कर लिया है।

इसके अतिरिक्त, प्रतिभूत परिसंपत्ति(यों) का **भौतिक अधिग्रहण** प्रतिभूत ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कर लिया गया है तथा उक्त परिसंपत्ति(यों) को निम्नांकित तिथि पर **"जैसी है जहां है", "जैसी है जो है" तथा "वहां जो कुछ भी है"** आधार पर बेचा जाएगा, जो कि निम्न उल्लिखित उधारकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) / बंधककर्ता(ओं) की ओर से प्रतिभूत ऋणदाता को देय-भुगतेय निम्नांकित बकाया राशियों की वसूली के लिये किया जायेगा। आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि जमा (ईएमडी) और अन्य विवरण निम्नानुसार उल्लिखित है :

उधारकर्ता एवं सह-उधारकर्ता का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	बकाया देयराशियां रु में	मांग सूचना की तिथि / अधिग्रहण की तिथि	आरक्षित मूल्य (रु) / धराज (रु)	धराज तिथि / निरीक्षण तिथि एवं समय / वृद्धिशील मूल्य
1. प्रेमेंद्र गुप्ता (उधारकर्ता/बंधककर्ता) 2. रीमा गुप्ता (सह-उधारकर्ता)	अरजी सं. 95 के भाग पर स्थित भूमि जो मौजा सिगरीसी, उन्नाव, कानपुर - 209801 में स्थित है। अधिमापन 1800 वर्ग फुट	रु. 14,14,818/- (रुपये चौदह लाख चौदह हजार आठ सौ अट्ठारह मात्र) 31-07-2021 के अनुसार साथ में आज की तिथि तक राशि पर संविदागत ब्याज एवं अन्य शुल्क	30-03-2022 / 23-06-2022	5,37,000/- / 53,700/-	09-05-2024 / 07-05-2024 को 11.00 से 1.00 बजे / रु. 10,000/-
1. रीना सिन्हा (उधारकर्ता/बंधककर्ता) 2. विमल कुमार सिन्हा (सह-उधारकर्ता)	अरजी सं. 903 के भाग पर स्थित भूखंड सं. 36 व 37 पर भूमि जो ग्राम पैम, परगना एवं तह. बिल्हौर जनपद कानपुर 209202 में स्थित है। अधिमापन 133.33 वर्ग गज	रु. 14,53,251/- (रुपये चौदह लाख तिरेपन हजार दो सौ इक्यावन मात्र) 16-04-2021 के अनुसार साथ में आज की तिथि तक राशि पर संविदागत ब्याज एवं अन्य शुल्क	30-03-2022 / 22-06-2022	7,80,000/- / 78,000/-	09-05-2024 / 07-05-2024 को 11.00 से 1.00 बजे / रु. 10,000/-

समस्त नीलामियों के लिये समय : समय : 03.00 बजे 05.00 बजे — **समस्त धराज के लिये समय :** 6.00 बजे तक

1. इच्छुक बोलीदातागण जिन्होंने ईएमडी जमा कर दी है और जिन्हें लॉगिन आईडी और पासवर्ड बनाने, डेटा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई-बोलीदान प्रक्रिया पर प्रशिक्षण इत्यादि में सहायता की आवश्यकता है, वे ई-नीलामी सेवा प्रदाता **"मैसर्स सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड", दूरभाष हेल्पलाइन : +91-7291981124/ 25/26, हेल्पलाइन ई-मेल आईडी : support@bankeauctions.com या श्री भाविक पंड्या, मोबाइल : 88666 82937, ईमेल : maharashtra@c1india.com से संपर्क कर सकते हैं**
2. संपत्ति संबंधी किसी भी प्रश्न अथवा अनुसूचीगत संपत्ति के निरीक्षण के लिए इच्छुक व्यक्ति संबंधित **प्राधिकृत अधिकारी- कल्पेश ओझा (मोबाइल 9769825323), ई-मेल : kalpesh.ojha@omkaraarc.com से अथवा उपरोक्त वर्णित पते पर कार्यदिवसों के दौरान कार्यालय समयावधि में संपर्क कर सकते हैं।**

विक्रय के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए कृपया **http://omkaraarc.com/auction.php** में दिए गए लिंक को देखें।

सांविधिक हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) के अंतर्गत विक्रय की सांविधिक सूचना

यह सूचना प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6) एवं 9(1) तथा वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त ऋण खाते के उधारकर्ता(ओं) / सह-उधारकर्ता(ओं) हेतु, लागत एवं व्ययों के साथ यहां इसमें उपरोक्त तालिका में अंकितानुसार बकाया देयराशियों का भुगतान करके उनके द्वारा यदि वे इच्छुक हैं परिसंपत्तियों को ऋणमुक्त करने की सलाह के साथ उपरोक्त संदर्भित तिथि एवं समय पर सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से विक्रय कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में उन्हें सूचित करते हुये पंद्रह दिनों (15) दिनों की एक अनिवार्य सूचना भी है। भुगतान में चूक की स्थिति में, संपत्ति को प्राधिकृत अधिकारी / प्रतिभूत ऋणदाता के विवेक पर प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 (5) के अंतर्गत निर्धारितानुसार किसी भी माध्यम से बेचा जाना है।

दिनांक : 22-04-2024 — हस्ता / - प्राधिकृत अधिकारी, ओमकारा एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
स्थान : मुंबई — (ओमकारा पीएस26/2021-22 ट्रस्ट के एक ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता के अंतर्गत कार्यरत)

लखनऊ संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग ऐंड पैकेजिंग लिमिटेड, बी-5, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ, उ.प्र. से मुद्रित एवं बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड सी/ओ मेहरा बिजनेस चैंबर्स, चैंबर नंबर-8,19-सी2एन विधान सभा मार्ग, लखनऊ - 226001 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. UPHIN/2008/25502 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिजनेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं